PRESS RELEASE

06-Days' Training of BPrS Officers starts at CIMP

The 06-Days' Training Programme for Bihar Prison Service (BPrS) Officers was inaugurated in Chandragupt Institute of Management Patna today (18th January, 2021) by Shri Amir Subhani, IAS, Additional Chief Secretary, Home Department, Govt. of Bihar. Shri Neeraj Jha, Director, Bihar Institute of Correctional Administration (BICA), Hajipur was the *Guest of Honour* on this occasion.

Shri Amir Subhani, in his inaugural address said that to understand the subjects of Human Behaviour & Human Rights, Prison is the best place. Human Behaviour is closely observed, controlled and mould with correctional service. By providing appropriate skills and orientation to our officers, great experiment can be made. Prisoners with their body and mind, to a great extent, are under your control round-the-clock. There is a need to control the minds of the prisoners more effectively so as to make their future brighter.

What development after coming from Jail if you ask them to dream, they will come with a very different perspective. After getting out from Jail, new job, distance learning, correspondence course, skills may transform their life. Shri Subhani thanked CIMP Director, Dr. V. Mukunda Das for conducting this course.

Guest of Honour, Shri Neeraj Jha, Director, Bihar Institute of Correctional Administration (BICA), Hajipur, in his speech said that this training programme is designed on the lines Bureau of Police Research and Development (BPRD) course guidelines. Two batch first batch from 18th to 23rd January, 2021 and second batch from 1st to 6th February, 2021. He said that we are giving our best of best with our current resources.

CIMP Director, Dr. V. Mukunda Das, in his address exhorted the officers to be more "humane" and come forward to help out the people. Dr. Das further said that all wrong-

doers are very creative in their approach and therefore the jail authorities need to adopt a doubly creative approach to outsmart them.

Highlighting the contribution of CIMP in the development of Bihar, he said that within a limited period of time, we have trained around 6000 plus officers of the government. The basic objective of this programme is to change your mind-set. He also said that before 1947, the largest number of people in the country who martyred their life in the freedom struggle are from Bihar, which people do not know. The next challenge for Bihar is Development. We have to develop and change Bihar for the better. We have enough potential. It is time to develop Bihar. This training programme is basically aimed to change your mind-set, your attitude and your orientation towards the work which you are doing. The present system is also undergoing some changes. We must have the modern systems of prisons. Ms. Kiran Bedi was changed the whole prison system drastically.

The 06-Days training programme on management, the BPrS Officers are being given exposure to areas like Human Behaviour, Relationship Management and Human Rights.

प्रेस विज्ञप्ति

बिहार जेल सेवा के अधिकारियों का 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सी.आई.एम.पी में शुरू हुआ

बिहार जेल सेवा (बीपीआरएस) अधिकारियों के लिए 06-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन आज (18 जनवरी, 2021) चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में श्री आमिर सुभानी, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, सरकार द्वारा किया गया। श्री नीरज झा, निदेशक, बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्टिव एडमिनिस्ट्रेशन (BICA), हाजीपुर इस अवसर पर अतिथि थे।

श्री अमीर सुभानी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि मानव व्यवहार और मानव अधिकारों के विषयों को समझने के लिए, जेल सेवा सबसे अच्छी जगह है। मानव व्यवहार को बारीकी से देखा जाता है, नियंत्रित किया जाता है और सुधारक सेवा के साथ ढाला जाता है। हमारे अधिकारियों को उचित कौशल और अभिविन्यास प्रदान करके, महान प्रयोग किया जा सकता है। कैदी अपने शरीर और दिमाग के साथ, बहुत हद तक आपके नियंत्रण में हैं। कैदियों के दिमाग को और अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि वे अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें।

जेल से आने के बाद क्या विकास अगर आप उन्हें सपने देखने के लिए कहेंगे, तो वे बहुत अलग दृष्टिकोण के साथ आएंगे। जेल से बाहर आने के बाद, नई नौकरी, दूरस्थ शिक्षा, पत्राचार पाठ्यक्रम, कौशल उनके जीवन को बदल सकते हैं। श्री सुभानी ने इस पाठ्यक्रम के संचालन के लिए सी.आई.एम.पी के निदेशक, डॉ. वी. मुकुंद दास को धन्यवाद दिया।

गेस्ट ऑफ ऑनर, श्री नीरज झा, निदेशक, बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्टिव एडमिनिस्ट्रेशन (BICA), हाजीपुर ने अपने भाषण में कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो पाठ्यक्रम के दिशा निर्देशों के आधार पर बनाया गया है। यह कार्यक्रम दिनांक 18 से 23 जनवरी, 2021 और 6 फरवरी, 2021 तक चलेगा । उन्होंने कहा कि हम अपने वर्तमान संसाधनों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं

सी.आई.एम.पी के निदेशक, डॉ. वी. मुकुंद दास ने अपने संबोधन में अधिकारियों को और अधिक "मानवीय" होने का आह्वान किया और लोगों की मदद के लिए आगे आए। डॉ. दास ने आगे कहा कि सभी गलत कर्ता अपने दृष्टिकोण में बहुत रचनात्मक हैं और इसलिए जेल अधिकारियों को उन्हें बाहर करने के लिए एक दोहरे रचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है।

बिहार के विकास में सी.आई.एम.पी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सीमित समय के भीतर, हमने सरकार के लगभग 6000 प्लस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य आपके दिमाग को बदलना है। उन्होंने यह भी कहा कि 1947 से पहले, देश में स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाले लोगों की सबसे बड़ी संख्या बिहार से है, जिसे लोग नहीं जानते हैं। बिहार के लिए अगली चुनौती विकास है। हमें बेहतर के लिए बिहार को विकसित और बदलना होगा। हमारे पास पर्याप्त क्षमता है। यह बिहार के विकास का समय है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मूल रूप से आपके मानसिकता, आपके दृष्टिकोण और उस कार्य के प्रति आपके उन्मुखीकरण को बदलने के लिए है जो आप कर रहे हैं। वर्तमान व्यवस्था भी कुछ बदलावों से गुजर रही है। हमारे पास जेलों की आधुनिक व्यवस्था होनी चाहिए। सुश्री किरण बेदी ने पूरी जेल प्रणाली को काफी बदल दिया।

प्रबंधन पर 06-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीपीआरएस अधिकारियों को मानव व्यवहार, संबंध प्रबंधन और मानवाधिकार जैसे विषयों के बारे में जानकारी दी जा रही है ।